गृह प्रबंध की विभिन्न परिभाषाएं. गृह विज्ञान के प्रसिद्ध विद्वानों ने गृह प्रबंध की भिन्न-भिन्न परिभाषाएं प्रस्तुत की है. इनमें से कुछ प्रमुख परिभाषाएं निम्नलिखित से है.

1) पिं. निकेल. एवं जे. ऍम डोर्सी - इनका कहना है कि - परिवार के लिए उपलब्ध साधनों का उपयोग करने करने के निमित्त योजना बनाने, संगठन करने, नियंत्रित करने, तथा मूल्यांकन करने की प्रक्रिया है.

2)ऍम. एन. भरगीज तथा के. श्री. निवासन - इनके अनुसार प्रत्येक परिवार के सामान्य स्वास्थ्य सुख एवं कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण कारक गृह प्रबंध है. परिवारिक सदस्यों के विकास एवं वृद्धि के लिए यह एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है.

3)बी. के.वख्शी के शब्दों में - गृह व्यवस्था व नियोजित क्रिया है जो कि परिवार के विभिन्न आर्थिक सामाजिक व मानवीय तथा भौतिक पहलू को प्रभावित करती है.

4)डॉ. जी. पी. शेरी के शब्दों में- गृह व्यवस्था परिवारिक जीवन का प्रशासन आत्मक पक्ष है. इसमें कार्य को प्रेरित करने वाली निर्णय करने की प्रक्रिया सम्मिलित है. अतः परिवार के कार्य के संपादन का प्रभावी साधन यही है.

5) नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फैमिली लाइफ की एक उप समिति के प्रतिवेदन के अनुसार- ड्रीम व्यवस्था निर्णय करने संबंधित क्रियाओं की वस्त्र श्रृंखला है जिसमें परिवारिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए परिवारिक स्रों त्रों का प्रयोग करने की प्रक्रिया सम्मिलित है. आता गृह व्यवस्था परिवारिक जीवन का एक आवश्यक अंग माना गया है.

उपयुक्त परिभाषा ओं का विश्लेषण करने से यह स्पष्ट होता है कि गृह प्रबंध एक प्रक्रिया है. इस प्रक्रिया के माध्यम से गृह में रहने वाले सदस्यों के स्वास्थ्य विकास समृद्धि एवं सुख शांति के लिए उत्तम से उत्तम पर बंद करने की सभी सभी सदस्यों के लिए संतोषजनक व्यवस्था की जाती है.

20:02 ✓✓

Message